सप्तदश

बिहार विधान सभा

चतुर्दश सत्र

अल्पसूचित प्रश्न

वर्ग-3

बुधवार, तिथि 14 फाल्गुन, 1946 (श०) / 05 मार्च, 2025 (ई०)

प्रश्नों की कुल संख्या 03

(1)	लघु जल संसाधन विभाग	.. ..	01
(2)	पथ निर्माण विभाग	.. ..	01
(3)	जल संसाधन विभाग	.. ..	01
		कुल योग --	03

आर्सेनिक पदार्थों की रोकथाम

2. श्री अमरेन्द्र प्रताप सिंह (आरा)--स्थानीय दैनिक समाचार-पत्र में दिनांक 24 दिसम्बर, 2024 को प्रकाशित शीर्षक "पानी ही नहीं, अब धान गेहूँ और आलू में भी मिल रहा आर्सेनिक" को ध्यान में रखते हुये क्या मंत्री, लघु जल संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि भूगर्भीय जल का आर्सेनिक सिंचाई के माध्यम से फसलों और उनके पैदावार द्वारा आमजनों तक पहुँच रहा है ;

(2) क्या यह बात सही है कि पीने योग्य पानी में 10 माइक्रोग्राम प्रति लीटर आर्सेनिक की मात्रा होनी चाहिये परन्तु सिंचाई द्वारा मानक से ज्यादा धान में 821, गेहूँ में 775 और आलू में 1450 ग्राम आर्सेनिक की मात्रा होने से आमजन कैंसर रोग का शिकार हो रहे हैं ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो खाद्य एवं पेय पदार्थों में आर्सेनिक के रोकथाम हेतु सरकार की क्या कार्य योजना है ?

एन0 एच0 की बढ़ोतरी

3. श्री अरूण शंकर प्रसाद (खजौली)--स्थानीय दैनिक समाचार-पत्र में दिनांक 11 दिसम्बर, 2024 को प्रकाशित शीर्षक "बिहार राजमार्ग मामले में राष्ट्रीय औसत से 46 सौ किलो मीटर दूर" को ध्यान में रखते हुये क्या मंत्री, पथ निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि सड़क एवं परिवहन मंत्रालय, नई दिल्ली की रिपोर्ट के मुताबिक देश में कुल एन0 एच0 की लम्बाई एक लाख 46 हजार 145 किलो मीटर है, जबकि बिहार में कुल 56 एन0एच0 हैं जिनकी कुल लम्बाई 6131.80 किलो मीटर है जबकि महाराष्ट्र में कुल 102 एन0एच0 है जिनकी लम्बाई 18 हजार 459 किलो मीटर, राजस्थान में 52 एन0एच0 है जिसकी कुल लम्बाई 10 हजार 706 किलो मीटर तथा आँध्र प्रदेश, गुजरात, कर्नाटक, मध्य प्रदेश में भी एन0एच0 की लम्बाई अधिक है ;

(2) क्या यह बात सही है कि वर्ष 2005 में देश के कुल एन0एच0 में बिहार की भागीदारी 5.4 फीसदी थी, जो अब घटकर 4.04 फीसदी हो गई है जबकि राष्ट्रीय औसत 6 फीसदी का है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार राज्य में एन0एच0 की संख्या एवं लम्बाई में बढ़ोतरी कर राष्ट्रीय औसत के बराबर करने के लिये कौन-सी उपाय करना चाहती है, नहीं, तो क्यों ?

जल की शुद्धता

4. श्री मुकेश कुमार यादव (बाजपट्टी)--स्थानीय दैनिक समाचार-पत्र में दिनांक 25 दिसम्बर, 2024 को छपी खबर शीर्षक "बिहार में 33 शहरों के किनारे गंगा का पानी नहाने लायक भी नहीं" को ध्यान में रखते हुये क्या मंत्री, जल संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि राज्य के बक्सर जिले के चौसा में गंगा प्रवेश करती है तथा 445 किलो मीटर में नदी का प्रवाह है लेकिन बक्सर, आरा, पटना आते-आते नदी का पानी नहाने लायक नहीं रह जाता है, 33 स्थानों पर गंगा जल की जाँच हुई है, जिसमें टोटल कोलीफॉर्म (टी0सी0) जीवाणु की संख्या मानक से अधिक हो चुकी है, नियमत: 100 मिली लीटर पानी में 500 से ज्यादा टोटल कोलीफॉर्म जीवाणु नहीं होने चाहिये जबकि गुलबी घाट में 100 एम0एल0 पानी में टोटल 92000 जीवाणु पाया गया है जो काफी चिंताजनक है, यदि हाँ, तो सरकार गंगा जल की शुद्धता के लिये कौन-सी कार्रवाई करने का विचार रखती है ?

पटना :
दिनांक 5 मार्च, 2025 (ई0) ।

ख्याति सिंह,
प्रभारी सचिव,
बिहार विधान सभा, पटना ।

बि0स0मु0, 79(एल0ए0), 2024-25-डी0टी0पी0-550

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,
बिहार, पटना द्वारा मुद्रित
2025